NEWSLETTER

GOLD : 55730
SILVER : 69178
CRUD OIL : 6140

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

07/01/2023

साल **2022** कॉटन कारोबार से जुड़े लोगों के लिए, कई तरह की चुनौतियां लेकर आया उन चुनौतियों से जुझते हुए हम नए साल **2023** में तो आ गए है लेकिन, स्थिति अभी भी विकट ही है। देश में रोजाना कपास आवक महज ***1*** लाख गांठ है, जबकि सामान्य स्थिति में यह **2** लाख या इससे ज्यादा होती है। किसानों का रवैया देखकर स्पष्ट लग रहा है कि मार्च तक तो यह स्थिति सुधरने से रही। उसके बाद अप्रैल के मध्य में कुछ किसान जिन्हें बुवाई के लिए पैसे चाहिए होंगे, उनके माल बेचने की उम्मीद है हालांकि ऐसा हुआ तो भी आवक सवा या देढ़ लाख गांठ रोजाना तक ही पहुंच पांएगी। यानी, साल **2023** भी नुकसान में ही जाने के आसार लग रहे है।

चिंता व्यक्त करती यह बात कही गुजरात के महुआ स्टेशन के कॉटन व्यापारी परेश वालिया ने।

आधा व्यापारी बन गया है किसान

उन्होंने बताया कि पिछले 2 सालों से किसानों की स्थिति बहुत बदल गई है। गुजरात का ही नहीं बल्कि पूरे देश का किसान अब पहले से ज्यादा समझदार और सक्षम हो गया है। सोशल मीडिया के जरिये वो व्यापार की हर बारीकी पर नजर रखने लगा है। इसका नतीजा हम साफ देख सकते है कि जिस दिन बाजार में कपास के भाव कम होते है वो माल मंडी में लेकर ही नहीं आता। और जिस दिन भाव ज्यादा होते है उस दिन मंडी में आवक भी ज्यादा होने लगी है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो आज का किसान 50 प्रतिशत व्यापारी तो बन ही चुका है।

कम कीमत पर नहीं बेचेंगे

सीजन शुरू होने के बाद से लगातार कयास लगाए जा रहे है कि आवक में सुधार होगा। पहले लोगों ने कहा कि दिपावली के बाद आवक बढ़ेगी। फिर कहा नए साल में तेजी आएगी। और अब सुनने में आ रहा है कि उत्तरायण के बाद स्थिति सुधरेगी। लेकिन, वर्तमान स्थिति को देख लग रहा है कि इस साल 25 से 35 लाख बेल्स बनने जितना रॉ कॉटन तो अगले साल में कैरी फॉरवर्ड ही हो जाएगा। खास करके गुजरात और महाराष्ट्र के किसान तो इतने सक्षम है कि वे तो कम भाव में कपास बेचेंगे ही नहीं।

धैर्य रखकर करें व्यापार

कमोडिटी व्यापार में नफा और नुकसान तो बना ही रहता है। इसलिए उम्मीद तो हमें अभी भी है कि स्थिति सुधरेंगी लेकिन कब, कुछ कह नहीं सकते है। वर्तमान में तो देश के किसी भी हिस्से में जिनर नफे में नहीं है। **100** बेल्स बनाने में जिनर को औसतन **50** हजार से **1** लाख रूपए का नुकसान हो रहा है। इस स्थिति में मैं जिनर्स से यही कहना चाहूंगा कि पैनिक होकर खरीदी और बिक्री ना करें। स्थिति को समझकर, सही कैल्क्युलेशन के साथ ही व्यापार करें।

CUSTOMER FAITH IS OUR STRENGTH AND PRIORITY

NEWSLETTER

BSE 59900

DOWJONES 33,615.1

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

07/01/2023

टेक्सटाइल निवेशकों के लिए खुशियों भरा रहा यह सप्ताह

2 से 7 जनवरी के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर वेल्यू पर एक नजर-

पिछले सप्ताह की बढ़ोतरी के विपरीत इस सप्ताह टेक्सटाइल सेक्टर में खासी गिरावट रही। लगभग सभी प्रमुख कंपनीज के शेयर्स ने इस सप्ताह गिरावट रहीं। आइए देखते है बीएससी के मंच पर कैसी रही इन कंपनीज की परफॉर्मेंस

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	311.65	318.45	306.45	6.13%
अरविंद लिमिटेड	86.45	86.85	85.2	3.94%
वेलसपन इंडिया	72.1	73.2	71.1	6.12%
नितिन स्पिनर्स	204	210	203	0.58%
रेमण्ड	1442	1499.5	1440	2.22%
अक्षिता कॉटन	47.7	48.8	47.15	6.29%

जानिए इस सप्ताह की कॉटन मार्केट की हलचल

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77771 - 5

WEEKLY CHART 07.01.2023

ICE COTTON			
MONTH	30.12.22	06.01.23	WEEKLY CHANGE
MARCH	83.37	85.68	2.31
MAY	83.45	85.65	2.2
JULY	83.38	85.53	2.15
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1647	1687	40
NCDEX (COCUD KHAL)			
JAN	2977	3117	140
FEB	2914	2996	82
MARCH	2898	2950	52
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	82.72	82.72	0
PAK (Pakistani Rupee)	226.59	228.224	1.634
CNY (Chinese yuan)	6.8982	6.83807	-0.06013
BRAZIL (Real)	5.2862	5.22579	-0.06041
AUSTRALIAN Dollar	1.4676	1.45328	-0.01432
MALAYSIAN RINGGITS	4.4005	4.40299	0.00249
COTLOOK "A" INDEX	99.25	99.5	0.25
BRAZIL COTTON INDEX	100.44	101.77	1.33
USDA SPOT RATE	82.33	84.64	2.31
MCX SPOT RATE	29040	30460	1420
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	16700	17500	800

साल 2023 के पहले सप्ताह में कॉटन की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई है। नेशनल और इंटरनेशनल दोनों ही एक्सचेंज मार्केट में कॉटन दाम इस सप्ताह बड़े है। इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज पर इस सप्ताह मार्च, मई और जुलाई माह के सौदा भाव क्रमशः 2.31,2.20 और 2.15 तक बढ़े हुए है।

एनसीडीएक्स पर कपास के भाव इस सप्ताह 40 रुपय बढ़े है। खल के भाव में साप्ताहिक कीमतों में बढ़त हुई है। सप्ताहअंत में यह बढ़त जनवरी, फरवरी और मार्च माह के लिए 140, 82 और 52 रूपए की बढ़त हुई है।

अन्य एक्सचेंज मार्केट जैसे कॉटलुक ए इंडेक्स, ब्राजील कॉटन इंडेक्स, यूएसडीए स्पॉट रेट, पाकिस्तान स्पॉट रेट व एमसीएक्स स्पॉट रेट पर इस सप्ताह कॉटन कीमतों में बढ़त दर्ज की गई है।

अहमदाबाद: बेहतर धारण क्षमता का मतलब है कि ज्यादातर किसान इस साल कम दरों पर कपास नहीं बेच रहे हैं, जिससे राज्य में जिंनिंग क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। जिनर्स के मुताबिक, संभवत: ऐसा पहली बार हुआ है कि कच्चे माल की अनुपलब्धता के कारण जनवरी में करीब **60%** जिनिंग फैक्ट्री बंद हो।

गुजरात : पीक सीजन में 60% जिंनिग फैक्ट्री बंद

विशेषज्ञों के अनुसार, गुजरात और महाराष्ट्र के किसान पिछले वर्षों की तरह कपास की फसल नहीं बेच रहे हैं। इसलिए, दिसंबर के अंत तक देश भर में कपास की फसल की आवक लगभग 15% कम हो गई। गुजरात में, यह लगभग 8% नीचे चला गया। इससे कपास की कीमतें फिर बढ़ गईं, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय कपास की प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हुई।

"पहली बार, हम ऐसी स्थिति देख रहे हैं जहाँ किसान कपास नहीं बेच रहे हैं, जनवरी में जिनिंग फ़ैक्ट्री को बंद करने के लिए मजबूर कर रहे हैं। गुजरात में लगभग 1,300 जिनिंग फ़ैक्ट्री हैं, लेकिन वर्तमान में केवल 40% ही चल रही हैं। महाराष्ट्र में भी ऐसी ही स्थिति है। नवंबर से जनवरी जिनिंग क्षेत्र के लिए पीक टाइम है। सौराष्ट्र की इकाइयां दक्षिण भारतीय कताई मिलों को कच्चे कपास की गांठों की आपूर्ति करती हैं। हालांकि, मिलें वर्तमान में खरीद नहीं कर रही हैं, **"सौराष्ट्र जिनर्स एसोसिएशन के सचिव हितेश रुघानी ने कहा।**

लिंबडी स्थित जिनिंग फ़ैक्ट्री के प्रवर्तक अपूर्व शाह ने कहा, 'कपास की आवक बहुत कम है और इसलिए जिनिंग फ़ैक्ट्री बंद हैं। किसानों को पिछले साल कपास के रिकॉर्ड दाम मिले थे, लेकिन इस साल दाम कम हैं, इसलिए किसान कम दाम पर बेचने से कतरा रहे हैं। गुजरात में आमतौर पर जनवरी में प्रति दिन 50,000 गांठ से अधिक की आवक देखी जाती है, लेकिन इस बार यह 35,000 गांठ से कम है। हमारा अनुमान बताता है कि गुजरात में किसानों के पास वर्तमान में लगभग 72 लाख गांठ स्टॉक है, लेकिन वे बिक्री नहीं कर रहे हैं।"

गुजरातकोट ट्रेड एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, गुजरात ने दिसंबर तक लगभग 25 लाख गांठों की आवक दर्ज की है - कुल अनुमानित फसल का लगभग 27%। "गुजरात में आमतौर पर हर साल दिसंबर के अंत तक 35% कपास की आवक दर्ज की जाती है। इस वर्ष, यह लगभग 8% कम है क्योंकि दरें पिछले वर्ष की तुलना में कम हैं। गुजरात के कपास किसानों की धारण क्षमता अधिक है और वे कीमतों में बढ़ोतरी की उम्मीद में कपास नहीं बेच रहे हैं। भारत ने दिसंबर के अंत तक लगभग 85 लाख गांठ दर्ज की, जो आवक से लगभग 15% कम है। महाराष्ट्र ने इस साल कपास की कम आवक दर्ज की है, **"गुजकोट ट्रेड एसोसिएशन के सचिव अजय शाह ने कहा।**

कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया का अनुमान है कि गुजरात में कपास की फसल लगभग 93.50 लाख गांठ होने की संभावना है, जबकि पिछले सीजन में यह 76.30 लाख गांठ थी।

RAYANCE
TECHNO GREENS INDUSTRIES

Address: C2, 100, Manu Prabha, N-4 CIDCO, Sector F-1, Gurusahani Nagar, Aurangabad (M.H)-431003

info@rtgi.in www.rtgi.in 7201026177 / 7387917555

NEWSLETTER

GOLD : 1,870.50

SILVER : 23.980

BRENT OIL : 78.60

(IN DOLLARS)

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

07/01/2023

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

- **जिनिंग मिलो को कपास की कमी का सामना करना पड़ रहा है |**
  जैसा कि तत्कालीन आदिलाबाद जिले में किसानों ने अपने कपास के स्टॉक को इस उम्मीद में पकड़ कर रखा था कि बाद में इसकी अधिक कीमत मिलेगी, उद्योगों को कपास की आपूर्ति की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

- **अखिल भारतीय किसान खेत मजदूर संगठन (एआईकेकेएमएस) ने राज्य सरकार से आग्रह किया है**
  राज्य सरकार से आग्रह किया है कि कर्नाटक के यादगीर जिले में खरीद केंद्र स्थापित करें और कपास की खरीद तुरंत 12,000 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर शुरू करें, क्योंकि खुले बाजार में कपास की कीमत गिर गई है। नाटकीय रूप से।

- **कपास की गिरती कीमतों से किसान चिंतित**
  आदिलाबाद में पिछले कुछ हफ्तों में कपास की कीमत में आई भारी गिरावट ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है।

- **पंजाबः एक साल में कपाास उत्पादकता में 45 % की कमी**
  पंजाब पिछले तीन सालों से कपास की उत्पादकता में ऊंची उड़ान भर रहा था, लेकिन इस साल इसमें गिरावट दिख रही है।

- **कई दिनों बाद पाकिस्तानी कपास बाजार में तेजी का रूख**
  ऑल पाकिस्तान टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन (एपीटीएमए) ने नए सीजन के लिए कपास के उत्पादन में सुधार की रणनीति बनाने के लिए सुझाव दिए हैं।

एक नजर इस सप्ताह के कॉटन फिजिकल मार्केट पर

इस सप्ताह सभी कॉटन प्रमुख राज्यों में कॉटन के दामों में बढ़ोतरी देखी गई है। नार्थ झोन में पंजाब में 225, हरियाणा में 250 और अपर राजस्थान 225 रूपए प्रति मंड तक भाव गिरे है। वहीं सेंट्रल झोन में गुजरात में सबसे ज्यादा 2800 रूपए की बढ़त इस सप्ताह दर्ज हुई है। जबकि मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में 2000 रूपए तक दाम कम हुए है।

साप्ताहिक रिपोर्ट

साउथ झोन में कर्नाटका में 1,200 रूपए की तेजी आई है। जबकि सबसे कम उड़िसा में 500 रूपए दाम बड़े हुए है। वहीं आंध्रप्रदेश में 1,200 और तेलंगाना में 700 रूपए तक की तेजी इस सप्ताह दर्ज की गई है।

SMART INFO SERVICES

india.smartinfo@gmail.com

Call : 91119 77771 - 5

DATE: 07.01.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	02.01.23		07.01.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,175	6,275	6,400	6,500	225
HARYANA	27.5/28	6,025	6,250	6,350	6,500	250
UPER RAJASTHAN	28	6,300	6,400	6,525	6,625	225
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	60,800	61,000	63,500	63,800	2,800
MADHYA PRADESH	29	61,000	61,500	63,000	63,500	2,000
MAHARASHTRA	29 vid.	61,000	61,500	63,000	63,500	2,000
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	62,300	62,500	63,800	63,300	800
KARNATAKA	29+	61,500	62,500	62,500	63,000	500
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	61,500	62,000	62,700	63,200	1,200
TELANGANA	30 mm	61,800	62,800	62,800	63,500	700

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.

Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy